an>

Title: Need to provide a special financial package to drought-hit Bihar.

श्री कौशलेन्द्र कुमार (नालंदा) : सभापति महोदय, आपने मुझे शून्यकाल में बोलने का मौका दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। महोदय, मैं बिहार से आता हूँ। बिहार के लगभग 29 जिले सूखे की चपेट में हैं। जहां 42 प्रतिशत बारिश कम हुई है, वहां किसानों की हालत काफी दयनीय है। उत्तरी बिहार बाढ़ की चपेट में है। मैं आपका ध्यान अपने संसदीय क्षेत्र की ओर भी ले जाना चाहता हूँ। मेरा संसदीय क्षेत्र नालंदा है, जहां बीस प्रखण्ड हैं। जिनमें से 15 प्रखण्ड सुखाड़ की चपेट में हैं और पांच प्रखण्ड दहाड़ की चपेट में हैं। एक तरफ फलगू नदी के पानी ने हिलसा एवं करायपशुराय प्रखण्ड को काफी प्रभावित किया है, दूसरी तरफ पंचाने नदी में काफी पानी आ जाने से गिरियक, रहुई, कतरी सराय, आदि इलाकों में और खास कर रहूई प्रखण्ड में कई ऐसे गांव हैं, जो प्रभावित हुए हैं। बरांदी गांव की तो सड़क टूट गयी है। रहीमपुर, खिरौना, रहुई, लोहरन आदि तमाम गांवों में पानी का स्तर बढ़ गया है। वहां पर सरकार की तरफ से खाद्य सामग्री की व्यवस्था की गई है। मैं केंद्र सरकार से मांग करता हूँ कि मेरे संसदीय क्षेत्र नालंदा में बाढ़ से प्रभावित लोगों को केंद्रीय सहायता के रूप में अतिरिक्त खाद्य सामग्री, रहने के लिए मकान, फसलों की नुकसान की भरपाई के लिए मुआवज़ा देने की कृपा करें। टूटे हुए सड़क संपर्क तथा पुल-पुलिया का निर्माण कराया जाए। साथ ही साथ पूरे बिहार राज्य को सुखाड़ से निपटने के लिए विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा की जाए।

HON. CHAIRPERSON : Nothing will go on record.

(Interruptions) â€¦ *